

"सहज स्वर"

"लहराते स्वर"

मेरे होते हुए दिल ने - जब भी तुम्हें पुकारा ^{॥२॥} जब भी तुम्हें --- ॥४॥
 मेरे दोड़के तू आई ॥२॥ मुझे मिल गया सहज ^{॥२॥} मुझे मिल गया --- ॥४॥
 मेरे होते हुए ----- मेरे दोड़के -----

① यहाँ भाई-भाई दुश्मन - दुनियाँ में यही दसा
 कहने को भाई बनते - अपना नजर न आया
 फिर आवाज मेरे की आई ॥२॥ तू तो है बस हमारा ^{॥२॥} मेरे दोड़के -----
 मेरे होते हुए ----- मेरे दोड़के -----

② पहुँचा शरण में मेरे की - मिला विधियों का खजाना
 अब निर्विकार पथ में - इसा को है चलाना
 पाई है मेरे की रहमत ^{॥२॥} और मिल गया किनारा ^{॥२॥} मेरे दोड़के -----
 मेरे होते हुए ----- मेरे दोड़के -----

③ मेरे निर्विकार पथ में - ईश्वर की शक्ति पाई
 जो भी पथिक है बनता - उनमें है मेरे समझ
 मेरे साथ में ही रहती ॥२॥ करती है बस इसारा ^{॥२॥} मेरे दोड़के -----
 मेरे होते हुए ----- मेरे दोड़के -----

④ ये निर्विकार जीवन - इच्छा को पूरी करता
 मेरे की देया तो देखो - मन को प्रसन्न करता
 भरपूर किया मेरे ने ॥२॥ देखा तैरा नुमाशा ^{॥२॥} मेरे दोड़के -----
 मेरे होते हुए ----- मेरे दोड़के -----

⑤ "प्रीबावा प्री" को मैया - तुम्हें पे मरीसा पूरा
 मेश सपना पूरा कर दे - अब तक है जो अधूरा
 मुझको भी तार दे मेरे ॥२॥ कितनों को तूने तारा ^{॥२॥} मेरे दोड़के -----
 मेरे होते हुए ----- मेरे दोड़के -----